

12
12

प्राक्ती पेश। कौल वारी। वारी को आवाज लमाई
भायी। बार-बार आवाज लगाने के बावजूद भी
वकौल वारी। वारी न्यायालय में उपस्थित नहीं
होने पर वारी का वाद आम हाजरी आम पेशवी
में स्वारिज किया जाता है। प्राक्ती फौजदारी शुमार
होकर नम्बर से कम होकर दारिजत स्फतर हो।

